SEMESTER - 6

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 16 जनसम्पर्क

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 16 जनसम्पर्क	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित कराना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क के उपयोग से अवगत कराना।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालना।
4. जनसंपर्क में कौशल विकसित करना।

Learning Outcomes

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर लाभान्वित होंगे।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली का ज्ञान अर्जित करेंगे।
4. जनसंपर्क के क्षेत्र में दक्ष बनेंगे।

1. जनसंपर्क: अवधारणा और विकास **10 घंटे**

- जनसंपर्क का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- जनसंपर्क के विकास का भारतीय परिदृश्य, जनसंपर्क के विकास का वैश्विक परिदृश्य
- जनसंपर्क के सिद्धान्त और साधन

2 जनसंपर्क विभाग: संरचना और कार्य प्रक्रिया **10 घंटे**

- जनसंपर्क विभाग की संरचना और कार्य
- जनसंपर्क के क्षेत्र : सरकारी व निजी क्षेत्र का जनसंपर्क
- जनसंपर्क : आंतरिक एवं बाह्य

3 जनसंपर्क अभियान एवं जनमत निर्माण **10 घंटे**

- जनसंपर्क अभियान
- जनमत निर्माण में जनसंपर्क अधिकारी की भूमिका
- जनसंपर्क अधिकारी के गुण एवं दायित्व

4 जनसंपर्क के विविध आयाम **15 घंटे**

- आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क
- जनसंपर्क, विज्ञापन, प्रचार और प्रोपेगेंडा
- जनसंपर्क उद्योग और जनमाध्यम

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी एक सरकारी जनसंपर्क विभाग के संगठन और कार्य योजना पर रिपोर्ट लिखना।
- किसी जनसंपर्क अधिकारी का साक्षात्कार लेना।
- आपदा प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक या स्वास्थ्य विषयक जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसंपर्क प्रबंधन, डॉ कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन
2. जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार, डॉ सुशील त्रिवेदी, शशि कांत शर्मा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
3. जनसंपर्क अवधारणा एवं बदलता स्वरूप, कृ शि मेहता, किताब घर प्रकाशन
4. जनसंपर्क के विविध आयाम, पवित्र श्रीवस्तव सी के सक्सेना, राजकमल प्रकाशन
5. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम, एन सी पंत, तक्षशिला प्रकाशन

DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 17 **डिजिटल संचार के नए आयाम**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. डिजिटल संचार लेखन में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना ।
3. डिजिटल संचार लेखन के व्यावहारिक, नैतिक और वैधानिक आयामों से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न नए डिजिटल प्लेटफार्म की लेखन पद्धति सीखेंगे।
2. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होगा ।
3. डिजिटल संचार लेखन के विविध कानूनी और नैतिक आयामों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

1. डिजिटल संचार 10 घंटे

- डिजिटल संचार: स्वरूप और विकास
- डिजिटल संचार के प्रकार, विशेषताएं और सीमाएं
- डिजिटल संचार के उपकरण: इन्टरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज पोर्टल, ऐप्स, ओटीटी प्लेटफार्म, इन्टरनेट रेडियो, एचडीटीवी, ई मेल आदि।

2. डिजिटल संचार के नए आयाम **10 घंटे**

- वेब ट्रेफिक, गूगल ट्रेंड्स, FB पोस्ट, ट्वीट, ऑडियो बुक, वेब सीरिज
- लाइव चैट, चैट बॉट, चैट जीपीटी, वीडियो चैट, वेब कॉलिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग
- डिजिटल विज्ञापन, शॉर्ट्स वीडियो, रील, मीम्स, ऑडियो वीडियो किस्सागोई, एसएमएस, इमोजी, स्टीकर

3. डिजिटल संचार, मार्केटिंग और जनसम्पर्क **10 घंटे**

- डिजिटल जनसम्पर्क के उपकरण, डिजिटल जनसम्पर्क में मार्केटिंग और ब्रांड प्रचार
- मिक्स मार्केटिंग में डिजिटल संचार का उपयोग और ब्रांड निर्माण में डिजिटल संचार का उपयोग, मार्केटिंग लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और जनसम्पर्क के संबंध
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन स्पॉन्सरशिप और ब्रांड प्रचार, डिजिटल संचार का उपयोग करने वाले ब्रांड्स की केस स्टडी

4. डिजिटल संचार की संस्कृति और सूचना युग **15 घंटे**

- मीडिया सामग्री बनाम डिजिटल मीडिया सामग्री और वर्तमान विचारधारा
- डिजिटल सामग्री और बौद्धिक संपदा, डिजिटल सामग्री के कार्यान्वयन का उपयोग, महत्व और क्षेत्र
- सोशल मीडिया पर डिजिटल सामग्री प्रबंधन का महत्त्व

प्रायोगिक कार्य: **30 घंटे**

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए कंटेंट निर्माण करना।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर ऑडियो निर्माण करना।
- किसी कॉलेज इवेंट के लिए शॉर्ट वीडियो का निर्माण करना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए विज्ञापन का निर्माण करना।
- ब्लॉग बनाकर उसमें फीचर और लेख लिखना।
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए डिजिटल जनसंपर्क उपकरण का निर्माण करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction,focal Press
6. Itule & Andersson (2002),News writing and reporting for today's media, MecGraw Hill publication
7. Davidson Amber -Controversies in digital ethics, Bloomsbury pub.

DSC 18 मीडिया शोध

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 18 **मीडिया शोध**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

4. छात्रों को शोध के महत्व से अवगत कराना।
5. शोध की सामाजिक उपयोगिता की जानकारी देना।
6. मीडिया में शोध सर्वे एवं विषयवस्तु विश्लेषण का महत्व बताना।

Course Learning Outcomes

5. छात्र वैज्ञानिक अध्ययन का महत्व जान पायेंगे।
6. शोध के विविध चरणों की जानकारी से छात्रों की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।
7. शोधकर्ता के उत्तरदायित्व को जान पायेंगे।
8. साहित्य चोरी एवं संदर्भ लेखन के महत्व का ज्ञान होगा।

1. शोध : अर्थ एवं सिद्धांत **10 घंटे**

- शोध : अर्थ, उपयोगिता एवं उद्देश्य
- शोध के विभिन्न प्रकार एवं चरण
- शोध की नैतिकता, शोधकर्ता के उत्तरदायित्व

2. शोध-प्रक्रिया **10 घंटे**

- शोध – समस्या का चयन, विषय निर्धारण, चर (वेरिएबल) प्रकार

- साहित्य अवलोकन, उद्देश्य एवं शोध परिकल्पना : अर्थ, प्रकार
- सैंपलिंग : अर्थ, प्रकार एवं आवश्यकता

3. शोध प्रविधि **10 घंटे**

- शोध में आँकड़ें : प्राथमिक एवं द्वितीयक
- शोध विधि : सर्वे -अनुसूची एवं प्रश्नावली, विषयवस्तु विश्लेषण, प्रयोगात्मक, केस स्टडी आदि
- प्रश्नावली के प्रकार एवं निर्माण

4. शोध परिणाम एवं साहित्य चोरी **15 घंटे**

- आँकड़ों का एकत्रीकरण, व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण
- शोध परिणाम : सामान्यकरण, समस्या, संभावनाएँ एवं उपयोगिता
- संदर्भ सूची: आवश्यकता एवं स्टाइल, साहित्य चोरी

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- विभिन्न विषयों पर शोध प्रश्नावली तैयार करना एवं आकड़ें एकत्रित करना।
- सामाजिक महत्व के किसी विषय पर छात्रों में सर्वे करना।
- सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण करना।
- समाचार पत्रों की विषयवस्तु का विश्लेषण करना।
- ओपिनियन पोल जानने हेतु चुनावी सर्वे करना।

सहायक पुस्तकें :

5. शोध पद्वति, सी आर कोठारी, न्यू ऐज प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुसंधान : प्रक्रिया और प्रविधि, साहित्य सरोवर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रिसर्च मैथडोलॉजी, लक्ष्मी नारायण कोहली, वायी के प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रिसर्च मैथडोलॉजी : ए स्टेप बाय स्टेप गाइड फॉर बिग्नर्स, रणजीत कुमार, सेज पब्लिकेशन